# वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2019–20

प्रस्तुतकर्ता

सहयोगी मित्र मंडल
ग्राम व पोष्ट – थनौद, जिला दुर्ग
(छत्तीसगढ)

## *स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम*

वर्ष 2019–20 में सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम–थनौद में दिनांक 04.04.2019 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छ.ग. शासन की स्वास्थ्य योजनाओं, संजीवनी योजना, बाल सुरक्षा योजना, 108 संजीवनी एंबूलेंस, संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना, एकल बालिका शिक्षा योजना आदि के बारे में विस्तारपूर्ण बताया गया। यह बताया गया कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए संस्थागत प्रसव अस्पताल में योग्य डाक्टर व योग्य नर्सों द्वारा कराया जाता है, इसलिए सुरक्षित प्रसव होते हैं। शासन द्वारा जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसकी जानकारी गर्भवती महिलाओं व वहां उपस्थित सभी लोगो को दिया गया। कार्यक्रम में ग्राम के लगभग 150 नागरिक महिलायें एवं गर्भवती महिलायें उपस्थित थे।

## *खेल एवं युवा विकास कार्यक्रम*

वर्ष 2019–20 में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम पुरई में खेल एवं युवा कल्याण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 11.04.2019 से 16.04.2019 ग्राम थनौद में 02.05.2019 से 07.05.2019 तथा ग्राम अंजोरा में 21.06.2019 से 30.06.2019 तक किया गया। इस खेल एवं युवा कल्याण कार्यक्रम में ग्राम पुरई एवं आसपास के गांव के 50 युवामंडल के लगभग 400 युवाओं एवं खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की खेल कार्यक्रम में दक्षता बढ़ाने एवं उनमें खेल कार्यक्रम के प्रति रूझान लाने के लिए सहयोगी मित्र मंडल द्वारा खेल एवं युवा कल्याण कार्यक्रम का आयोजन कर ग्राम पुरई , थनौद , अंजोरा में प्रतियोगिता करवाया गया। संस्था द्वारा विभिन्न खेलों जैसे कबड्डी, खो–खो, फुटबाल, बेसबाल, लंबी कूद, वालीबाल आदि खेलों के कोच युवामंडलों को निःशुल्क उपलब्ध करवाया गया था क्योंकि अच्छे कोच के अभाव में युवा खेलों में अच्छा प्रदर्शन नही कर पाते है जिन प्रतिभाशाली युवाओं के लिए संस्था द्वारा निःशुल्क कोच की व्यवस्था करवाया गया जिसके कारण जिला स्तरीय खेलों में संस्था द्वारा प्रशिक्षण दिए गए बच्चों का बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा है। संस्था के द्वारा क्रिकेट,वालीबाल, कबड्डी, खो–खो आदि टूर्नामेंटों करवाया गया एवं इनाम वितरण किया गया।

## *व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम*

सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दिनांक 02.05.2019 को दुर्ग में विकास खण्ड स्तरीय एक दिवसीय व्यस्क शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के स्वयं सेवकों को यौन स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 100 स्वयं सेवकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

## *बाल कल्याण कार्यक्रम*

दुर्ग जिले के ग्राम–मंचादुर में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा दिनांक 08.06.2019 को बाल कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम–मंचादुर एवं आसपास के गांव की माताओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने ग्राम के बच्चों से संबंधित विटामिन–ए, पोलियो ड्राप्स, मिजल्स आदि के बारे में विस्तृत जानकारी

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

दिया। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य लोगों में बाल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना एवं बाल सुरक्षा संबंधी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। इन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सरपंच सहित ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 200 बच्चे, माताये एवं गांव के नागरिक सम्मिलित हुए।

***अंधश्रद्धा उन्मूलन कार्यक्रम***

संस्था द्वारा ग्राम–निकुम में दिनांक 14.07.2019 को अंधश्रद्धा उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगो में अंधश्रद्धा के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 300 से अधिक ग्रामवासी सम्मिलित हुए।

***सामाजिक कुरीतिया उन्मूलन कार्यक्रम***

राजनांदगांव जिले के अंबागढ़ चौकी विकासखंड के सामुदायिक भवन में सामजिक संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा गत वर्ष 2019–20 में सामाजिक कुरीति उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीति एवं आडंबर को दूर करने के लिए एवं तथ्यहीन रूढीवादी परंपराओं से समाज को मुक्त कराने के लिए समाज प्रमुखों एवं ग्रामवासियों के साथ संगोष्ठी करना था। संस्था सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा वर्ष 2019 में बालोद जिले के बालोद विकासखंड में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 20.07.2019 को भेंड़िया नवागांव में किया गया। इन क्षेत्रों में साक्षरता दर कम होने एवं जागरूकता मे बहुत अधिक कमी होने के कारण सामाजिक कुरीति एवं आडंबर का बोलबाला था। गांवों में बैगा, तांत्रिक, टोनही, देवी प्रकोप जैसे सामाजिक कुरीति का बोलबाला था। लोग अपने घरों के बीमार व्यक्तियों को डाक्टर के पास ले जाने के बजाए बैगा या ओझा के पास ले जाना उचित समझते थे। टोनही प्रताड़ना भी इस क्षेत्र में अधिक था। संस्था द्वारा इन सभी सामाजिक कुरीति एवं आडंबर को दूर करने के लिए ग्राम वासियों को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ जानकारी दिया गया कि टोनही, बैगा, तांत्रिक, देवीप्रकोप आदि तथ्यहीन रूढ़ीवादी सोच है आदि जानकारी दिया गया। सामाजिक कुरीति उन्मूलन कार्यक्रम में अंबागढ़ चौकी विकासखंड के 60 ग्रामवासी शामिल हुए।

***सांप्रदायिक सद्भावना कार्यक्रम***

वर्ष 2015–16 में सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा दुर्ग जिले के ग्राम मचांदुर मे कौमी एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सद्भावना कार्यक्रम रखा गया। ग्राम मचांदुर के यादव सामुदायिक भवन में कौमी एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सदभावना कार्यक्रम मे सरपंच, पंच समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासी शागिल हुए। कार्यक्रम अंतर्गत सर्वधर्म एकता, राष्ट्रीयता, अनेकता में एकता, सभी धर्मो का सम्मान आदि मुद्दों पर चर्चा किया गया। इस कार्यक्रम में दुर्ग जिले के अनेक स्वैच्छिक संगठन के कार्यकर्ता, महिला समूहों के लोग, जनप्रतिनिधि एवं युवा संगठन के कार्यकर्ता अनेक धर्म एवं समुदाय के प्रतिनिधि शागिल हुए। संस्था द्वारा कौमी एकता दिवस के अवसर पर किए गए। इस राष्ट्रीय सद्भावना कार्यक्रम में लगभग 250 लोगों ने भाग लिया और जन प्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

अन्नपूर्णा सिन्हा

संस्था प्रमुख

सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

*मतभेद निपटारा कार्यक्रम*

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में छुटपूट घटनाओं पर बढ़में मतभेदों में दक्षता पूर्वक परामर्श हेतु सामाजिक कार्यकर्तों के एक दिवारीय मतभेद निपटारा कार्यक्रम का आयोजन सुदूर आदिवासी विकास खंण्ड अंबागढ़चौकी जिला राजनांदगांव में दिनांक 14.11.2019 को किया गया जिसमें संस्था से जुड़े 200 से अधिक सामाजिक कार्यकर्तों ने हिस्सा लिया इस कार्यकम में विशेष रूप से पदमश्री शमसाद बेगम ,सारिका मेहर , गायत्री साहू , संस्था अध्यक्ष श्रीमति अन्नपूर्णा सिन्हा उपस्थित रहकर कार्यकर्तों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान किया ।

*जिला-स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम*

बालोद - जिले में संस्था द्वारा दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 12.01. 2020 को ग्राम -चीचा, वि. खं. गुण्डरदेही में किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत छत्तीसगढ़ी लोकगीत, कला एवं नृत्य का व्यापक प्रचार प्रसार करके इस दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का संस्था के द्वारा आयोजन एवं संचालन किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत सहयोगी मित्र मंडल द्वारा बालोद जिले में जसगीत प्रतियोगिता, पंथी प्रतियोगिता, राउतनाचा आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहयोगी मित्र मंडल के अध्यक्ष श्रीमति अन्नपूर्णा सिन्हा ने इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रारंभ में उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, लोकगीत हमारे देश की सांस्कृतिक पहचान एवं धरोहर है। एक ओर जहां राज्य के गांव, कस्बे एवं शहर विकसित होते जा रहे है वहीं राज्य की सांस्कृतिक धरोहर पिछड़ते जा रही है इसलिए संस्था ने छत्तीसगढ़ी लोकगीत, कला एवं नृत्य का व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रति वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों समेत लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।

*महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम*

वर्ष 2019-20 में बालोद - जिले के डौण्डी विकासखंड के कुसुमकसा में सामाजिक संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक - 08.03.2020 को किया गया। कार्यक्रम का आरंभ संस्था के कार्यकर्ता श्री नंदकिशोर तिवारी ने प्रतिभागियों के परिचय से आरंभ किया एवं महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण का उद्देश्य उसकी अवधारणा एवं उसकी उपयोगिता के साथ ही उसके महत्व के बारे में महिलाओं के विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। संस्था के कार्यकर्ता श्री नंदकिशोर तिवारी ने इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को महिला सशक्तिकरण के महत्व के बारे में बताया और कहा कि बीते कुछ दशकों में देश मे महिलाओं का स्तर बेहतर हुआ एवं संविधान में महिलाओं को चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है जिसका लाभ सभी महिलाओं को लेना चाहिये। भारत सरकार ने महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर अनेक योजनाए चलायी है। इसके बाद श्री तिवारी ने भारत में महिलाओं की दक्षता के ऐतिहासिक महत्व को समझाया जिसमें सानिया मिर्जा, पी.टी. उषा, महारानी लक्ष्मी बाई, रानी दुर्गावती, इंदिरा गांधी, सरोजनी नायडू आदि का उल्लेख किया गया तथा उपस्थित महिलाओं को यह बताया गया कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आगे आना चाहिये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष महेन्द्र सिन्हा ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि महिलाओं के राजनीति में दखल से भ्रष्टाचार में कमी आई है एवं महिलाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई है क्योंकि एक पुरुष की

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ ग)

अपेक्षा जब एक महिला का राजनीति में दखल होता है तो वह महिला पूरे जिले को गौरान्वित करती है और पूरे जिले की महिलाओं को उत्तरो प्रेरणा मिलती है। सरकार भी महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक प्रयास कर रही है जब तक महिला साशक्तिकरण नही होगा तब तक महिलाएं शोषण का शिकार होती रहेगी। इस एक दिवसीय महिला साशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में बालोद जिले के गुंडरदेही विकासखंड की 260 महिलायें सम्मिलित हुयी।

## उन्मूखीकरण कार्यक्रम

*घरेलू हिंसा पर प्रशिक्षण*

बेमेतरा जिले में संस्था द्वारा एक दिवसीय घरेलू हिंसा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 16.04.2019 को नवागढ में किया गया। संस्था द्वारा महिलाओं पर हो रहे घरेलू हिंसा के प्रकारों को बताया गया कि पीड़ित महिलाएं किस प्रकार घरेलू हिंसा की शिकार होती है और उन्हें कहां न्याय मिल सकता है। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं समाज में उन्हें सशक्त बनाकर अबला से सबला बनाने के उद्देश्य से सहयोगी मित्र मंडल द्वारा घरेलू हिंसा पर आधारित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस घरेलू हिंसा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को समाज मे पुरूष के समतुल्य अधिकार दिलाने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासन की अनेक योजनाओं के बारे में संस्था के मास्टर ट्रेनर श्री नंदकिशोर तिवारी द्वारा बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बेमेतरा के महिला स्वयं सहायता, नारी निकेतन, स्वैच्छिक संस्थाओं के 185 लोगों ने भाग लिया।

*शिक्षा के अधिकार पर प्रशिक्षण*

दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड मे सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग द्वारा शिक्षा का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 22.04.2019 को बेलहारी में किया गया। प्रशिक्षण अंतर्गत संस्था के कार्यकर्ता श्री मुकेश यादव, मनीष चन्द्राकर द्वारा बताया गया कि शिक्षा का अधिकार कानून पूरे देश में लागू कर दिया गया है। जिसके अनुसार सभी बच्चे को शिक्षा का अधिकार कानून के मापदण्डों के अनुसार गुणवत्तायुक्त शिक्षा दिया जाना है। शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत स्कूल, क्लास रूम, शिक्षकों की संख्या, बाथरूम व्यवस्था, रैंप, पढ़ाई के घंटे आदि सभी निर्धारित मापदंड सभी स्कूलों द्वारा पूर्ण किए जाने है और बच्चों को पूर्ण गुणवत्तायुक्त शिक्षा स्कूल मे मिलना चाहिए। एक दिवसीय इस शिक्षा का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 215 लोगो ने भाग लिया।

*आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण*

वर्ष 2019–20 में संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा दुर्ग जिले के शिननाथ नदी के तट पर बसा ग्राम महमरा में आपदा प्रबंधन पर आधारित एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 28.04 2019 को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महमरा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में होने वाले आपदा से निजात पाने की रणनीति एवं आपदा प्रबंधन की प्लानिंग करना था। क्योंकि नदी किनारे के गांवों में प्रतिवर्ष बाढ से बहुत धनजन की हानि होती है। कार्यक्रम में ग्राम के पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, शासकीय कर्मचारी आदि लोग शामिल हुए एवं आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए साझी रणनीति तैयार किया गया। इस आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में महमरा के कुल 52 लोगों ने भाग लिया।

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ ग)

*जल एवं स्वच्छता पर प्रशिक्षण*

संस्था सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड में जल एवं स्वच्छता कार्यक्रम विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 30.04.2019 को अचानाकपूर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा संस्था के कार्यक्षेत्र पाटन के हायर सेकेंडरी स्कूल के आस-पास के क्षेत्र में रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाले वृक्षों का ग्राम वासियों के सहयोग से रोपण किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा बताया गया कि संस्था सहयोगी मित्र मंडल समय समय पर जल एवं स्वच्छता कार्यक्रम से संबंधित बैठकों का आयोजन कर ग्रामीणों को पानी के संरक्षण के विषय में जानकारी प्रदान करती है एवं प्रोत्साहित करती है। आज जिस तरह से जमीन से पानी का स्तर कम हुआ है उससे विश्व के सभी देशों में चिंता का होना स्वाभाविक है। संस्था द्वारा जल एवं स्वच्छता से संबंधित अनेक सावधानियों एवं तरीकों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ताओं ने बताया कि संस्था पानी के संरक्षण को लेकर जागरूकता, प्रशिक्षण मार्गदर्शन, कार्यशाला का आयोजन करना, ग्रामीणों को क्षेत्र का भ्रमण कराना, ग्रामीणों की सहभागिता से जलग्रहण के स्ट्रेक्चर का निर्माण करना आदि प्रमुख है।

*प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर प्रशिक्षण*

संस्था में कार्यरत स्वयंसेवको के लिए संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा बालोद जिले के डौंडी में एक दिवसीय राष्ट्रीय संसाधन प्रबंधन पर प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 20.05.2019 को ग्राम खेरवाही में किया गया। प्रशिक्षण में आए रिसोर्स पर्सन सत्यम बनर्जी ने संस्था में कार्यरत स्वयंसेवको को बताया कि हम किस तरीके से राष्ट्रीय संसाधनों का प्रबंधन कर सकते है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन सत्यम बनर्जी ने राष्ट्रीय संसाधनों के बारे में विस्तारपूर्ण चर्चा किया एवं उनके प्रबंधन के चरणों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के 40 स्वयंसेवको ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

*मतभेद निपटारा पर प्रशिक्षण*

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में छुटपूट घटनाओं पर बढ़में मतभेदों में दक्षता पूर्वक परामर्श हेतु सामाजिक कार्यकर्तो के एक दिवासीय मतभेद निपटारा प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन सुदूर आदिवासी विकास खण्ड अंबागढ़चौकी जिला राजनांदगाव में दिनांक 26.06.2019 को किया गया जिसमें संस्था से जुड़े 150 से अधिक सामाजिक कार्यकर्तो ने हिस्सा लिया इस कार्यकम में विशेष रूप से पदमश्री शमसाद बेगम ,सारिका मेहर , गायत्री साहू , संस्था अध्यक्ष श्रीमति अन्नपूर्णा सिन्हा उपस्थित रहकर कार्यकर्तों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान किया ।

*पंचायत राज पर प्रशिक्षण*

संविधान के 73 संशोधन में पंचायत राज के त्रि- स्तरी व्यवस्था में ग्राम पचायत , जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधीयों को पंचायत राज अधिनियम , नियम , अधिकार कर्त्तव्य एवं कार्य क्षेत्र कार्यपद्धति तथा सूचना का अधिकर , विकेन्द्रीकरण योजना , सामाजिक अंकेक्षण, स्थानिय स्वाशासन , स्थानिय स्तर पर सामाजिक न्याय एवं आर्थिक विकास के कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान कर उनमें क्षमता वृद्धि करने हेतु संस्था द्वारा तीन दिवसीय पंचायत राज पर प्रशिक्षण विकास खण्ड मुख्यालय दुर्ग में दिनांक 2.10.2019 से 04.10.2019 तक

अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग

आयोजित किया गया जिसमें वि.खं. दुर्ग के 72 ग्राम पंचायतों के 1300 पंच , 72 सरपंच एवं 24 जनपद सदस्यों ने विधिवत व व्यवहारिक प्रशिक्षण लिया

*सूचना का अधिकार पर प्रशिक्षण*

कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड में सांस्कृतिक भवन में सहयोगी मित्र मंडल द्वारा वर्ष 2019–20 में सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10.12.2019 को किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत संस्था मुख्य प्रशिक्षक महेन्द्र कुमार सिन्हा के द्वारा सूचना का अधिकार की समस्त धाराओं, इतिहास, आवेदन, शुल्क, अपील आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। संस्था द्वारा आयोजित सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि, अनेक स्वैच्छिक संगठन के कार्यकर्ता, महिला समूहों के लोग, जनप्रतिनिधि एवं युवा संगठन के कार्यकर्ता आदि शामिल थे। इन कार्यक्रमों में लगभग 200 लोगों को सूचना का अधिकार विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

*महात्मा गांधी रोजगार गारंटी पर प्रशिक्षण*

बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम कोटेरा में संस्था सहयोगी मित्र मंडल द्वारा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 17.01.2020 किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्था के मास्तर ट्रेनर श्री नंदकिशोर तिवारी द्वारा बताया गया कि गांव के प्रत्येक परिवार को रोजगार के लिए आवेदन करने पर ग्राम पंचायत द्वारा प्रत्येक व्यक्ति का जाबकार्ड बनाकर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम अंतर्गत संस्था के कार्यकर्ता एकलव्य तिवारी के द्वारा ग्रामवासियों को बताया गया कि इस कार्यक्रम अंतर्गत मूलतः भूमि खनन का कार्य किया जाता है। यांत्रिक कार्य पूर्णतः वर्जित है। कार्यक्रम अंतर्गत उपस्थित लोगों से महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के बारे में उनके अनुभव सुनाया गया। इन कार्यक्रमों मे लगभग 160 लोगों को महात्मा गांधी रोजगार गारंटी विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण उपरांत ग्राम पंचायत के सदस्यों ने भी महात्मा गांधी रोजगार गारंटी के अपने अनुभवों को बताया

## *आई.जी.पी. कार्यक्रम*

**स्वयंसेवक प्रशिक्षण :–** आम जनता के बेहतरी के लिए शासन द्वारा चलाए गये जन कल्याण कारी कार्यो में लोगों के भागीदारी बढ़ने में स्वयंसेवको की प्रभावी भूमिका होती है।इस हेतु संस्था द्वारा स्वयंसेवको में क्षमता वृद्धि हेतु दो दिवसीय स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था मुख्यालय में 20 व 21 अप्रैल तथा एक व दो मई को आयेजित किया गया जिसमें 200 स्वयंसेवकों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार सिन्हा एवं श्रीमति सारिका मेहर ने प्रशिक्षण प्रदान किया ।

**आजीविका प्रशिक्षण :–** स्वालंबन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के स्कील डेवलपमेंट, आजीविका वर्धन कार्यक्रम को संस्था द्वारा प्रमुख रूप फोकस किया गया है। वर्ष 2019–20 में संस्था द्वारा क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के दक्षता निर्माण के लिए दो दिवसीय विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 05 व 06 जून 2019 तथा 19. एवं 20 जुलाई 2019 को संस्था मुख्यालय दुर्ग में किया गया । जिससे स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं में दक्षता का निर्माण हुआ है। संस्था के कार्यक्षेत्र में जो लोग गरीबी रेखा में जीवनयापन कर रहे हैं ऐसे

अन्नपूर्णा सिन्हा

अन्नपूर्णा सिन्हा

संस्था प्रमुख

सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

लोगों को संस्था द्वारा चिन्हांकित कर क्लस्टर बनाकर आजीविकावर्धन कार्यक्रमों का संचालन किया गया है। जिससे संस्था द्वारा 200 लाभांवित वर्ग समूह रोजगार मूलक कार्यों में संलग्न हुआ है। संस्था अपने कार्यक्षेत्र में क्या कार्य करना है इसकी प्लानिंग पी.आर.ए. पद्धति के माध्यम से गांव वालों के साथ मिलकर करती है। जिससे संस्था के क्रियाकलापों में लोगों की सहभागिता भी शामिल है। संस्था की मुख्य प्राथमिकता ग्रामीण विकास है क्योंकि बिना ग्राम विकास के ग्रामीण समुदाय का विकास नही किया जा सकता और बिना ग्राम विकास के जिला, राज्य व शहर का विकास संभव नही है। संस्था के इस विजन मिशन को साकार करने के लिए संस्था को लगभग 700 स्वयं सहायता समूहो का समर्थन एवं सहयोग प्राप्त है। संस्था विगत 15 वर्षों से स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं क्षमतावर्धन पर कार्य कर रही है।

**दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण** :– कार्यकर्तो में अभिलेख एवं दस्तावेजों की समझ बढाने संस्था द्वारा दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था मुखयालय दुर्ग में 23 व 24 जनवरी 2020 तथा 11 एवं 12 फरवरी 2020 को आयोजित किया गया जिसमें संस्था के प्रशिक्षक श्री टिकेश्वरी लाल देशमुख एवं श्रीगति गायत्री साहू ने 200 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किये ।

**ग्रामीण सहभागी आकलन (पी. आर. ए. प्रशिक्षण)** :– ग्रागीण विकास में कार्य नियोजन हेतु ग्रामीण सहभागी आकलन विषय पर सामाजिक क्षेत्र में भागीदारी प्रदान करने हेतु समाज कल्याण महाविद्यालय के प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थीयों को संस्था के प्रशिक्षक श्री महेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा अथर्व समाज कल्याण महाविद्यालय दुर्ग में दिनांक 21.11.2019 व 11.12.2019 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें पी.आर. ए. की पृष्ठ भूमि इतिहास ,सामाजिक मानचित्रण , संशाधन मानचित्रण , समस्या चित्रण , आर्थिक वर्गीकरण ,चपाती चित्रण आदि सभी 11 विधियों पर विस्तृत जानकारी दिया गया इस प्रशिक्षण में 100 प्रतिभागी शामिल हुए ।

**शिक्षक प्रशिक्षण** :– ग्रामिण क्षेत्रों के विद्यालयों में व निजी विद्यालयों में बेहतर शिक्षा में भागीदारी के उदेश्य से विभिन्न विद्यालयों में अध्यापन रत शिक्षकों में क्षगता हेतु शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजन संस्था द्वारा संस्था कार्यालय दुर्ग में दिनांक 20 से 23.05.2019 को किया गया इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षार्थीयों को बुनियादी शिक्षा के साथ – साथ आधुनिक सुचना तकनीक से भी अवगत करया गया ।सेवा निवृत्त शिक्षा विदो ने अपने अनुभवो का आदान प्रदान किया। इस प्रशिक्षण में 200 शिक्षक ,शिक्षिकाओं ने भाग लिया ।

**स्वैच्छक्षिक संस्थाओं को परामर्श**:– ग्रामीण विकारा में युवा मंडलों , महिला मंडलों, स्थानिय संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चत कराई जाती है। उनकी भागीदारी और सकारात्माक हो इस हेतु संस्था द्वारा संस्था कार्यालय में स्वैच्छिक संस्थाओं को परामर्श व मार्गदर्शन देने का कार्य नियमित रूप से वर्ष भर किया जाता है वर्ष 2019–20 में प्रतिमाह औसतन 50 प्रतिभागीयों संस्थाओं को मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

**स्वसहायता समूहो का प्रशिक्षण**:– संस्था की मुख्य प्राथगिकता ग्रामीण विकास है क्योंकि बिना ग्राम विकास के ग्रामीण समुदाय का विकास नही किया जा सकता और बिना ग्राम विकास के जिला, राज्य व शहर का विकास संभव नहीं है। संस्था के इस विजन मिशन को साकार करने के लिए संस्था को लगभग 700 स्वयं सहायता समूहों का समर्थन एवं सहयोग प्राप्त है। संस्था विगत 15 वर्षों से स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं क्षमतावर्धन पर कार्य कर रही है।वर्ष 2019 –20 में संस्था द्वारा 200 स्वसहायता समूहों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।प्रशिक्षण में उन्हें

अग्निपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख
सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)

# विकास केन्द्रों का संचालन

**नशामुक्ति परामर्श शिविर** :–संस्था आपने स्थापना से ही समाज कल्याण कार्यों को विशेष रूप से करती रही है। इस हेतु संस्था समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त है संस्था वर्ष 2019–20 में जिला दुर्ग में नशा मुक्ति परामर्श शिविर का आयोजन माह अप्रैल , माह अगस्त , माह दिसंबर में किया । जिसमें नशे से ग्रसित युवाओं को नशा छोड़ने हेतु प्रेरित किया गया ।

**वृद्धाश्रम का संचालन** :– संस्था ग्राम धनौद में वृद्धों को सहयोग हेतु जन सहायोग से वृद्धाश्रम का संचालन कर रही है तथा पुलगांव में संचालित शासकीय वृद्धाश्रम में भी सहयोग प्रदान कर रही है।

**बहुसेवा केन्द्रों का संचालन** :– संस्था वरिष्ट नागरिको के देख भाल हेतु जन सहयोग से बहुसेवा केन्द्रों का संचालन कर रही है वि.खं. दुर्ग में ग्राम पाउतारा , छावा , गंजापारा दुर्ग वि.खं. गुण्डरदेही में चैनगंज एवं ग्राम कान्दुल वि.खं. डोंगरगढ़ में ग्राम धोरतालाब में संचालित है।

**ग्रामीण सूचना प्रोद्योगकी युवा विकास केन्द्र**:– नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग के सहयोग से संस्था द्वारा वि.खं. दुर्ग में युवाओं के लिए सूचना केन्द्र के रूप में विगत 10 वर्षों से ग्रामीण सूचना प्रोद्योगकी युवा विकास केन्द्र ग्राम धनौद में संचालिता है जिसमें क्षेत्र के 500 से अधिक युवा मंडल , महिला मंडल , समूहों एंव सामाजिक कार्यकर्ता जुड़े हुए है।

**विवेकानंद पुस्कालय** :–संस्था द्वारा कार्यालय गंजपारा दुर्ग में स्वामी विवेकानंद पुस्कालय जन सहयोग से संचालित है। जिसमें ग्रामीण विकास एवं समाज कल्याण से जुड़े 200 से अधिक महत्वपूर्ण पुस्तके संग्रहित है जिसका लाभ संस्था से जुड़े हितग्राहियों से लिया जा रहा है।

# *शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन*

संस्था के मुख्य उद्देश्य शिक्षा के लोक व्यपीय करण हेतु कार्य करना तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा तक साधनविहीन जरूरतमंद शिक्षार्थियों की पहुंच बनाना है। इस उद्देश्य की पुर्ति हेतु संस्था वर्ष 2006 से स्व.ओम बाई की स्मृति में ओम पब्लिक स्कूल का संचालन प्रारंभ किया है। वर्तमान में जिला दुर्ग में ओम पब्लिक स्कूल गंजपारा दुर्ग एवं ग्राम पाउचारा में संचालित है। जिला बालोद के वि. खं. गुण्डरदेही के ग्राम कान्दुल में ओम पब्लिक स्कूल विगत 9 वर्षों से सफलता पूर्वक संचालित हैं। चैनगंज गुंडरदेही में संस्था द्वारा वर्ष 2013 से इंग्लिश मीडियम होली एंजिल स्कूल का सफलता पूर्वक संचालित है।

अन्नपूर्णा सिन्हा

संस्था प्रमुख

सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ.ग.)

# सहयोगी मित्र मण्डल, थनौद दुर्ग (छ.ग.)
## परियोजनागत कार्य वर्ष 2019–20

*खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण* – ग्राम अंजोरा, विकासखण्ड व जिला दुर्ग (छ.ग.) में फलों एवं सब्जियों की खेती करने वाले किसानों के लिए 7 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 07.10.2019 से 10.10.2019 तक संस्था द्वारा किया गया जिसमें विकास खण्ड दुर्ग के 100 किसानों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। संस्था के प्रशिक्षक लता ऊमरे एवं चम्पा सोनकर ने किसानों को फलों एवं सब्जियों के प्रसंस्करण पर बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान किये यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निकोअंजोरा के सामाजिक उत्तारदायित्व कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया ।

*जल संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम* – दुर्ग जिले के विकास खण्ड दुर्ग में दिनांक 25 व 26 सितम्बर 2019 तथा विकास खण्ड पाटन में दिनांक 22 व 23 जनवरी 2020 को जल संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था द्वारा किया गया। जिसमें दुर्ग जिले के 50 ग्रामों के 100 प्रतिभागी विभिन्न महिला मण्डल, युवा मण्डल, स्व सहायता समूह के सम्मिलित हुए । संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा उन्हें अपने समूह के माध्यम से जल संरक्षण में सक्रिय भागीदारी देने हेतु प्रशिक्षित किया गया यह प्रशिक्षण ग्रामीण विकास विभाग जिला पंचायत दुर्ग (छ.ग.) के सहयोग से आयोजित किया गया ।

*क्षेत्र अध्ययन एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम* – अथर्व समाज कल्याण महाविद्यालय दुर्ग के विद्यार्थीयों को प्रायोगिक कार्यानुभव सिखाने के उद्येश्य से विकास खण्ड दुर्ग के सभी 72 ग्राम पंचायतों में एक माह का क्षेत्र अध्ययन एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम दिनांक 01.10.2019 से 30.10.2019 तक किया गया जिसमें महाविद्यालय के 200 विद्यार्थीयों ने ग्रामों में जाकर समाज का ग्रामीण सहभागी आंकलन विधि से अध्ययन एवं विविध जानकारियों के लिए सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न कराया गया। संस्था के प्रशिक्षक महेन्द्र कुमार सिन्हा एवं गायत्री साहू ने विकास की प्रक्रिया में व्यापक जनभागीदारी हेतु विद्यार्थीयों को प्रेरित किये यह कार्यक्रम अथर्व आई.टी. समाज कल्याण महाविद्यालय दुर्ग के सहयोग से आयोजित किया गया ।

*स्वामी विवेकानन्द युवा प्रोत्साहन कार्यक्रम* – संस्था द्वारा जनपद पंचायत दुर्ग के सहयोग से स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम खोपली में स्वच्छता जागरूकता, ग्राम निकुम शा.उ.मा.वि. में शैक्षिक जागरूकता तथा ग्राम तिरगा में पर्यावरण जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इन सभी कार्यक्रमों में युवा मण्डल, महिला मण्डल, स्वसहायता समूह व ग्रामीण युवाओं एवं विद्यार्थीयों की सक्रिय भागीदारी रही 1000 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए ।

अन्नपूर्णा सिन्हा
अन्नपूर्णा सिन्हा
संस्था प्रमुख

*आदिवासी युवा नेतृत्तव प्रशिक्षण कार्यक्रम* – छ.ग. के चुने हुए 50 आदिवासी युवाओं को स्वच्छता जागरूकता हेतु नेतृत्व प्रदान करने का प्रशिक्षण दिनांक 19.11.2019 को कृषि प्रशिक्षण केन्द्र दुर्ग छ.ग. में वन दर्शन संस्था बोडला जिला कबीरधाम के सहयोग से किया गया ।

*स्वच्छता एवं पेयजल का कला जत्था से प्रचार प्रसार* – जिला पंचायत दुर्ग के सहयोग से संस्था की कला जत्था इकाई अछरा के छैइया द्वारा जिला दुर्ग के विकास खण्ड दुर्ग में माह अप्रेल 2019, विकास खण्ड पाटन में माह मई 2019 तथा विकास खण्ड धमधा में माह मार्च 2020 में ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम कला जत्था के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार किया गया इस कार्यक्रम में संस्था के 50 से अधिक कलाकार सभी ग्रामों में पहुंचकर गीत–नाटक व अभिनय के माध्यम से स्वच्छता के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का सकारात्मक प्रयास किया ।

*कौशल विकास कार्यक्रम* – एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना डौंडीलोहारा के अंतर्गत जनपद पंचायत बालोद के सहयोग से ग्राम मालगांव में रेडी टू–ईट निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन मई 2019 में किया गया जिसमें विभिन्न समूहों के चयनित 50 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, तथा ग्राम भेडिया नवागांव में खाद्य प्रसंस्करण के अंतर्गत बड़ी, पापड़, अचार निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न समूह के चयनित 50 महिलाओं को संस्था के प्रशिक्षक लता ऊगरे द्वारा उन्हें सकारात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

*वाटरशेड लोकार्पण कार्यक्रम* – एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन मिशन जनपद पंचायत बालोद के तहत मिली वाटरशेड दोरदोरा नाला का लोकार्पण कार्यक्रम जनपद पंचायत बालोद के सहयोग से संस्था द्वारा अगस्त 2019 में राजीव गांधी सेवा केन्द्र संकुल केन्द्र ग्राम पंचायत तरौद, ग्राम पंचायत घुमका, ग्रामपंचायत दुघली के सभी चयनित 21 ग्राम पंचायतों में किया गया तथा वाटर शेड क्षेत्र में निर्मित सभी परिसंपत्तियों को समाज को समर्पित किया गया ।

अन्नपूर्णा सिन्हा

संस्था प्रमुख

सहयोगी मित्र मंडल दुर्ग (छ. ग.)